संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016
फोनः 0755 - 255 0976 0755 - 267 1017
ई-मेलःsrote@eklavya.in
www.eklavya.in

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

फरवरी 2009
वर्ष-3 अंक-1(पूर्णांक 241)

संपादक
सुशील जोशी

प्रबंध संपादक
राजेश उत्साही

सहायक संपादक
अफसाना पठान
अम्बरीष सोनी

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर
राकेश खत्री कमलेश यादव

वार्षिक चंदा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए
चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

लिंग अनुपात : क्या कानून बेअसर है?		2
सूखी धरती को कितना उलीचें		2
फ्लैट स्क्रीन टी.वी. और पर्यावरण		3
आधुनिक रिक्शे	बिमल श्रीवास्तव	4
बैक्टीरिया फायदा भी पहुंचाता है मेजबान को		6
क्या कुत्ते हमारी भावनाएं ताड़ लेते हैं?		6
बोर हो गए मतलब क्या?		7
हम उबासियां क्यों लेते हैं?	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	8
जाला नहीं रेशम बनाती थी, यह मकड़ी		10
डॉल्फिन पृथ्वी के घूर्णन को महसूस करती हैं	एस. अनंतनारायणन	11
अंधी दृष्टि भी कोई चीज़ होती है		12
शिक्षा का अधिकार	डॉ. विनोद रायना	13
शिक्षा का अधिकार - एक अलग नज़रिया		19
लुढ़ककर जान बचाती है यह मकड़ी	नरेंद्र देवांगन	21
चीटियां जानती हैं भीड़भाड़ का समाधान		22
गुमशुदा तिथियां	डॉ. राजीव चिटनिस	23
महिला वैज्ञानिक सकारात्मक उपायों की ज़रूरत	विनीता बाल	26
अमीर-गरीब के दिमाग में अंतर होता है क्या?		29
टेक्नोक्रेसी के खतरे	डॉ. अमन मदान	30
सहजन यानी जन-जन का पेड़	डॉ. किशोर पंवार	33
भोजपत्र पत्ता है या छाल?	डॉ. किशोर पंवार	35
प्रयोगशाला में जीवन का निर्माण	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	37
दो आंखें गहराई भी देखती हैं	एस. अनंतनारायणन	39

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।